

Dr.Raman kumar Thakur

Assistant Professor (Guest)

Department of Economics

D.B.College Jaynagar Madhubani. L.N.M.U Darbhanga .

Class:- B.A.part-2(Hons)

Date:-28 April 2020

“भारत की राष्ट्रीय आय बढ़ाने के सुझाव”

(Suggestion to Raise National income in India)

भारत की राष्ट्रीय आय में वृद्धि करने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं जो इस प्रकार से हैं:-

1) कृषि विकास(Agricultural Development):-

- A) भूमि सुधार भारत के भूमि के वितरण में अत्यधिक विषमता पाई जाती है अतः भूमि सुधार द्वारा भूमि के पुनर वितरण की आवश्यकता है चकबंदी करके कृषि जोतों में वृद्धि की जानी चाहिए।
- B) कृषि आदानो की व्यवस्था:- कृषि विकास हेतु किसानों को कृषि यंत्र , उन्नत बीज व रासायनिक खाद आदि उचित मूल्य पर उपलब्ध कराये जाये।
- C) गैर कृषि रोजगार में वृद्धि भूमि पर जनसंख्या के भार को कम करने के लिए गैर कृषि रोजगार के अवसरों में वृद्धि की जानी चाहिए
- D) कृषि विपणन की व्यवस्था वर्तमान कृषि विपणन व्यवस्था में कृषक को कम लाभ प्राप्त हो पाते हैं अतः विपणन व्यवस्था में सुधार करके अधिक नियंत्रित मंडियों की स्थापना की जानी चाहिए।

- E) साख विपणन व्यवस्था देश में संस्थागत साख के विस्तार की आवश्यकता है जो कृषकों को उपयुक्त शर्तों पर तथा पर्याप्त मात्रा में साख उपलब्ध करा सके।
- F) कृषि शिक्षा व अनुसंधान की व्यवस्था:- कृषि के समुचित विकास हेतु कृषि शिक्षा और अनुसंधान की व्यवस्था की जानी चाहिए ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि प्रयोग कार्यक्रमों को व्यापक रूप से प्रचारित किया जाना चाहिए।

2) आर्थिक संरचना का विकास (development economics infrastructure):-
विकास की प्रारंभिक अवस्था में आर्थिक संरचना जैसे सरको, सिंचाई , एवं जल विद्युत प्रोजेक्ट,रेलवे आदि का निर्माण करना अत्यंत आवश्यक होता है भारत की पंचवर्षीय योजनाओं में इन सुविधाओं का विकास और विस्तार पर काफी जोड़ दिया गया है। लेकिन इस क्षेत्र में अभी भी बहुत कुछ बाकी है। अतः सरकार को इस क्षेत्र में अपने उत्तरदायित्व को शीघ्रताशीघ्र प्रभावशाली ढंग से पूरा करना चाहिए।

3) औद्योगिक विकास(Industrial Development):-

- A) आधारभूत उद्योगों की स्थापना:- औद्योगिक विकास के लिए आधारभूत उद्योगों की स्थापना होना आवश्यक है इनकी स्थापना सार्वजनिक क्षेत्र में की जानी चाहिए तथा इनकी अधिकतम क्षमता का प्रयोग होना आवश्यक है।
- B) विवेकीकरण भारत में संगठित उद्योगों में पुरानी मशीनों के प्रयोग के कारण उत्पादन शक्ति का हास होता है विवेकीकरण द्वारा उत्पादन लागत को कम किया जाना चाहिए।
- C) सामाजिक ऊपरी-पूंजी की व्यवस्था:- औद्योगिक विकास में सड़क शक्ति उत्पादन संचार बंदरगाह वादी का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

अतः इन में अधिक विनियोजन करके इन की समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए।

- D) प्रबंध का व्यवसायीकरण:- भारत में औद्योगिक प्रबंध का ढांचा परंपरागत रूप से चल रहा है अतः औद्योगिक प्रबंध को सुधारने हेतु व्यवसायिक प्रबंधकों की नियुक्ति करना आवश्यक है जो आधुनिक प्रबंध तकनीकी विशेषज्ञ हो।
- E) औद्योगिक अनुसंधान देश में औद्योगिक अनुसंधान पर कम ध्यान दिया जाता है जिससे उत्पाद बेकार चले जाते हैं और पर्याप्त लाभ प्राप्त नहीं हो पाता।

4) बचत तथा विनियोग की दर में वृद्धि(increase in saving and Invest Rate):- भारत के आर्थिक विकास के लिए बचत एवं विनियोग की दरों में वृद्धि लाने के प्रयास किए जाने चाहिए भारत में घरेलू बचत तथा विनियोग को बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए जा सकते हैं ब्याज की दर में वृद्धि छोटी छोटी बचतों को आकर्षित करने के लिए नई योजनाएं आरंभ की जानी चाहिए सार्वजनिक क्षेत्र को अपने लाभ की दर बढ़ाने चाहिए । प्रत्यक्ष करो कि कम दर विनियोग की अधिक सुविधाएं , शेयर बाजार का विकास विदेशी फंड योजना का विस्तार।